CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of article 295)

Shri Parashar (Shivpuri): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

Shri Parashar: Sir, I introduce the Bill.

INDIAN STAMP (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of section 3 and schedule 1)

Shri N. R. Laskar (Karimganj): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Stamp Act, 1899.

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Stamp Act, 1899."

The motion was adopted.

Shri N. R. Laskar: Sir, I introduce the Bill.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of article 75)

Shri Yashpal Singh (Kairana): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

Shri Yashpal Singh: Sir, I introduce the Bill.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of articles 75, 153 and 164)

Shri Krishnapal Singh (Jalesar): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

Shri Krishnapal Singh: Sir, I introduce the Bill.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Omission of article 331)

श्री प० ला० बारूपाल (गंगानगर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि

---

*Ppublished in the Gazette of India —Extraordinary, Part II, section 2, dated 11-9-64.

भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले बिल को पेश करने की अनुमति दी जाये ।

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India".

The motion was adopted.

श्री प० ला० बारूपाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल को पेश करता हूं ।

14.34-½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL

(*Omission of article* 370) by Shri Prakash Vir Shastri:

Mr. Deputy-Speaker: Bills for consideration—Shri Prakash Vir Shastri.

Shri Sham Lal Saraf (Nominated—Jammu and Kashmir): Regarding this Bill I have a motion. My motion is about the allotment of time.

Mr. Deputy-Speaker: Let the Member move it. Afterwards we will see.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनोर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं "कि भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले बिल पर विचार किया जाये ।"

उपाध्यक्ष महोदय, जम्मू-काश्मीर की विशेष स्थिति से सम्बंधित भारतीय संविधान की धारा 370 हटा दी जाये और इस के हटने से संविधान में यदि कहीं कुछ व्यवस्था अपेक्षित हो, तो वह कर ली जाये. जब मैं इस विधेयक को पारित होने के लिए सदन में प्रस्तुत कर रहा हूं तो मेरी आंखों के सामने वे सारे दृश्य सिनेमा के चित्र-पट की तरह घूम रहे हैं कि कैसे सब से पहले पाकिस्तान ने 1947 में कबाइलियों की आड़ में काश्मीर में अपनी सेनायें भेजी, कैसे महीनों तक वहां पर खून की नदियां बहती रहीं, कैसे भारतीय सेनाओं ने उनके दांत खट्टे किए, कैसे बढ़ती हुई भारतीय सेनाओं को बीच में ही रोक कर भारत सरकार ने हिमालय जैसी भूल की, कैसे संयुक्त राष्ट्र संघ में न्याय ~~की कूट-नीतिज्ञता~~ के चक्कर में आ कर हम फंसे और कैसे काश्मीर का सुल्तान बनने का स्वप्न देखने वाले शेख अब्दुल्ला को वहां का प्रधान मंत्री बनाया गया । दो शब्दों में अगर मैं अपनी सारी बातों को कहूं, तो मैं यूं कह सकता हूं कि भारत के कुछ ऊंचे नेताओं की, जिन में से कुछ अब नहीं हैं, अदूरदर्शिता, राजनीतिक अकुशलता और व्यक्तिगत प्रेम-बंधनों के कारण ही यह सारी स्थिति उत्पन्न हुई ।

सुना यह जाता है कि ठोकर लगने के बाद मनुष्य की आंख खुल जाती है । परन्तु नहीं कहा जा सकता कि स्थिति के इतना बिगड़ जाने के बाद अब भारत सरकार कब सजग होगी । एक अकेले सरदार वल्लभभाई पटेल खून की एक बूंद गिराये बिना लगभग साढ़े पांच सौ रियासतों का थोड़े ही समय में भारतवर्ष में विलय कर के चले गए, लेकिन यह इतनी बड़ी सरकार सत्रह वर्षों के बाद भी एक जम्मू-काश्मीर की समस्या का समाधान नहीं कर पाई ।

अपने इस विधेयक को उपस्थित करते समय आज मैं एक चेतावनी भी सरकार को देना चाहता हूं । पिछले सत्रह वर्षों में अरबों रुपये और हजारों जवानों की बलि